

श्री रामनारायण चौधरी “जिंदा” छात्रावास

1- नाम व पता — श्री रामनारायण चौधरी “जिंदा” छात्रावास

- **पता:-** वीर तेजाजी मंदिर के पास, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय नया परिसर के सामने, **NH-62**, भगत की कोठी (जोधपुर)।



- **वर्तमान संचालन संस्था :-** श्री वीर तेजा मंदिर शिक्षण संस्थान, भगत की कोठी, जोधपुर (राजस्थान)

2. **इतिहास —** भगत की कोठी, जोधपुर स्थित इस छात्रावास का आधुनिक आवश्यकताओं के अनुसार 1995 ई. में निर्माण जन सहयोग से करवा कर श्री वीर तेजा मन्दिर शिक्षण संस्थान ने समाज को समर्पित किया। भगत की कोठी रेलवे स्टेशन के पास जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के नये परिसर के सामने स्थित इस छात्रावास का निर्माण 10,980 वर्ग फुट भूखण्ड पर कराया गया। यह भूखण्ड जोधपुर नगर सुधार न्यास का था लेकिन यहाँ पर अवैध कब्जे हो रखे थे। समाज बन्धुओं ने यहाँ पर समाज के छात्रावास की योजना बना कर 'श्री वीर तेजा मन्दिर शिक्षण संस्थान' का गठन 1987 ई. में किया तथा पंजीयन 1988-89 (दिनांक 13.06.1988) में करवाया गया। तत्पश्चात् वर्तमान छात्रावास भूखण्ड व मन्दिर भूखण्ड (12,619 वर्ग फुट) का नगर सुधार न्यास से श्री राजेन्द्र चौधरी (तत्कालीन मंत्री) के सहयोग से न्यूनतम दर पर 1989 में आवंटन हुआ। उस समय संस्थान के अध्यक्ष हीरालाल भादू तथा सचिव एडवोकेट राजेन्द्र चौधरी थे। श्री वीर तेजा मंदिर शिक्षण संस्थान, जोधपुर की साधारण सभा की बैठक दिनांक 25 दिसंबर 1990 ई. को भगत की कोठी संस्थान प्रांगण में हुई

। इस बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें डॉ. गंगाराम जाखड़ को अध्यक्ष, हीरालाल भादू को उपाध्यक्ष, यशपाल सिंह चौधरी को सचिव, टीकमराम गोदारा को कोषाध्यक्ष एवं डॉ. चेनाराम चौधरी को संगठन मंत्री पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। उस समय कार्यकारिणी में रामनारायण चौधरी को छात्र प्रतिनिधि के रूप में सम्मिलित किया गया। समय-समय पर कार्यकारिणी का पुनर्गठन होता रहा लेकिन डॉ. गंगाराम जाखड़ अध्यक्ष पद पर और यशपाल सिंह चौधरी सचिव पद पर 1990 से 2008 ई. तक निरंतर निर्विरोध निर्वाचित होते रहे। टीकमराम गोदारा के बाद मदन लाल चौधरी 1998 ई. में कोषाध्यक्ष बने और पिछले लंबे समय से भूराराम पोटलिया कोषाध्यक्ष हैं। छात्रावास भूखण्ड पर जो अवैध कब्जे थे वे भी जाट समाज के लोगों के ही थे तथा आवंटन पश्चात् भी कब्जे हटाये नहीं गये। ऐसी स्थिति में समाज के एक क्रांतिकारी छात्र रामनारायण चौधरी (मायला) के नेतृत्व में छात्रों ने छात्रावास हेतु आवंटित भूखण्ड से कब्जे हटा दिये। यहाँ पर छात्रावास निर्माण की योजना बन ही रही थी कि इसी दौरान दीपावली पश्चात् रामासामा के दिन दिनांक 26-10-1992 को चौधरी रामनारायण का एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। छात्रों एवं समाज के प्रबुद्धजनों ने चौधरी रामनारायण के समाज हित के कार्यों को ध्यान में रखते हुए यहाँ पर रामनारायण चौधरी (जिन्दा) की स्मृति में छात्रावास निर्माण हेतु 4 नवम्बर 1992 को नींव रखी। समाज के भामाशाहों के सहायोग से तीन वर्ष के समय में छात्रावास का तीन मंजिला भवन बन कर तैयार हुआ। प्रत्येक मंजिल पर 25 (एकल छात्र) आवासीय कमरे हैं। छात्रावास के सभी 75 कमरों का निर्माण जाट समाज के 75 भामाशाहों ने इक्कीस-इक्कीस हजार रुपए की राशि संस्थान को प्रदान कर अपने-अपने परिजनों की स्मृति में करवाया। छात्रावास में भोजनशाला के निर्माण हेतु हरदीन राम मंडा (ढाढरिया), बद्रीराम जाखड़ (भोपालगढ़) ने आर्थिक सहयोग दिया। स्वागत कक्ष का निर्माण शिवजी राम तांडी (सांगरिया) ने अपने पुत्र लक्ष्मण राम की स्मृति में तथा अध्ययन कक्ष का निर्माण शंकरलाल नैण ने अपने पिता चुन्नीलाल नैण व माता श्रीमती हप्पीदेवी की स्मृति में करवाया। उस समय छात्रावास की चारदिवारी का निर्माण मूलाराम पोटलिया ने करवाया। इसके अतिरिक्त पाकशाला, अध्ययन कक्ष तथा छात्रावास अधीक्षक के आवास की सुविधा भी है। छात्रावास भवन निर्माण की रूपरेखा तथा तकनीकी कार्य इंजीनियर मोहनराम जी चौधरी (बेन्दा), पूर्व संयुक्त निदेशक, तकनीकी शिक्षा की देखरेख में हुआ। इस छात्रावास का उद्घाटन विश्वविजेता पहलवान तथा अखिल भारतीय जाट महासभा के तत्कालीन अध्यक्ष दारासिंह के कर कमलों से 07 अक्टूबर 1995 ई. को सम्पन्न हुआ तथा इस उद्घाटन समारोह के कार्यक्रम के अध्यक्ष तत्कालीन काजरी निदेशक प्रो. अमर सिंह फडौदा एवं जाने-माने सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर आलम सिंह विशिष्ट अतिथि थे। इस कार्यक्रम में समाज के भामाशाहों का अभिनन्दन किया गया।

छात्रावास में प्रवेश के कड़े नियम बनाये गये तथा सभी कक्षाओं में प्रवेश मेरिट के आधार पर किये जाने लगे तथा यही व्यवस्था अभी भी जारी है। प्रतिवर्ष छात्रावास को वार्षिक परीक्षाओं के पश्चात् खाली करवाया जाता है और प्रवेश अगले वर्ष भी मेरिट के आधार पर ही दिये जाते हैं। छात्रावास की प्रवेश समिति के सदस्य प्रो. चेनाराम चौधरी, डॉ. दलपतसिंह चौधरी, इंजीनियर मोहनराम चौधरी, प्राचार्य एस.पी. सिंह आदि ने लम्बे समय तक संस्था के नियमानुसार प्रवेश प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित किया। छात्रावास के अतिरिक्त वीर तेजा जी मन्दिर का निर्माण भी संस्थान द्वारा करवाया गया जिसकी प्राण प्रतिष्ठा 06-02-1998 को हुई। मन्दिर परिसर में तीन बड़े सभा कक्ष (3048 फीट), यात्री आवास, संस्थान कार्यालय तथा भोजनशाला निर्मित है। मन्दिर परिसर के समस्त निर्माण कार्यों के तकनीकी मानचित्र ई. मोहनराम चौधरी (बेन्दा) द्वारा तैयार

किये गये तथा नियमित देख-रेख शंकरलाल नैण व वर्तमान संस्थान अध्यक्ष टीकमराम गोदारा द्वारा की गयी। दिनांक 7 दिसंबर 2008 ई. को हुई आमसभा की बैठक में प्रोफेसर अमर सिंह फड़ौदा – अध्यक्ष, जयराम बेनीवाल-वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मोहन राम चौधरी-सचिव तथा भूराराम पोटलिया का कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। 3 मार्च 2012 ई. को साधारण सभा में यशपाल सिंह चौधरी-अध्यक्ष, टीकमराम गोदारा-वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा मोहनराम चौधरी का सचिव पद पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। जून 2013 में यशपाल सिंह चौधरी के असामयिक निधन के बाद टीकमराम गोदारा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। संस्थान की वर्तमान कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का चुनाव 7 जुलाई 2019 ई. को हुआ जिसमें पहली बार चुनाव प्रक्रिया से टीकमराम गोदारा-अध्यक्ष, घीसूलाल नैण-वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नैनूराम तांडी-उपाध्यक्ष, रतनलाल डोगियाल- सचिव, मदन लाल चौधरी-अतिरिक्त सचिव तथा भूराराम पोटलिया-कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। 2013 ई. में जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा चौथी मंजिल पर आवासीय कमरों के निर्माण से अब 135 छात्रों के आवास की व्यवस्था है। छात्रावास में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रारम्भ में लम्बे समय तक कोचिंग कक्षाएँ लगाई जाती रहीं। यहाँ से अध्ययन कर कई छात्र भारतीय प्रशासनिक सेवा, राजस्थान प्रशासनिक सेवा, चिकित्सा सेवा तथा इंजीनियरिंग सेवा में सेवारत हैं। यहाँ से अध्ययन कर निकलने वाले पूर्व विद्यार्थी अधिकतर कहीं न कहीं पर राजकीय सेवा में हैं जिनमें बहुत सारे शिक्षक हैं। यह छात्रावास पूरे मारवाड़ में शैक्षिक गुणवत्ता, अनुशासन एवं प्रबंधन की अनुकरणीय मिसाल है।

3- कार्यकारिणी-

पूर्व कार्यकारिणी – इस छात्रावास में अध्यक्ष/सचिव का कार्यकाल इस प्रकार रहा है-

क्र. सं.	नाम	पद	कार्यकाल	क्र. सं.	नाम	पद
1.	श्री हीरालाल भादू	अध्यक्ष	1987-25.12.1990	1.	श्री राजेन्द्र चौधरी, एडवोकेट	सचिव
2.	डॉ. श्री गंगाराम जाखड़	अध्यक्ष	26.12.1990-07.12.2008	2.	श्री यशपाल सिंह चौधरी	सचिव
3.	श्री अमर सिंह फरड़ोदा, प्रोफेसर	अध्यक्ष	08.12.2008-03.12.2012	3.	श्री मोहनराम चौधरी	सचिव
4.	श्री यशपाल सिंह चौधरी	अध्यक्ष	03.12.2012-06.2013	4.	श्री मोहनराम चौधरी	सचिव
5.	श्री टीकमा राम गोदारा	अध्यक्ष	06.2013-07.07.2019	5.	श्री मोहनलाल	सचिव
6.	श्री टीकमा राम गोदारा	अध्यक्ष	07.07.2019 से ...	6.	श्री रतनलाल डोगियाल	सचिव

वर्तमान कार्यकारिणी –

अध्यक्ष:- टिकमा राम जी गोदारा

वरिष्ठ उपाध्यक्ष:-घीसूलाल जी नैण

उपाध्यक्ष:- नैनूराम राम जी

सचिव:- रतनलाल जी डोगियाल

अति.सचिव:- मदन जी नायल
कोषाध्यक्ष:- जितेंद्र जी कमेड़िया
संगठन मंत्री:- सुखराम जी इनाणियां
सहा.संगठन मंत्री:- नाथूराम जी ओसू
अति.संगठन मंत्री:- निंबाराम जी जलियावडा
प्रसार मंत्री:- डॉ. हरेंद्र जी गोदारा

कार्यकारिणी सदस्य :- चंदन जी नैत्रा, उम्मेदाराम जी बेनिवाल, हीरालाल जी जाखड़
कार्यकारिणी मनोनित सदस्य :- मोहनराम जी ग्वाला, दुर्गाराम जी तांडी, K.R. जी नायल, रेशमाराम जी हुड्डा, लक्ष्मणराम जी बर्रा, शिवसिंह जी बेनीवाल

4- भौतिक संसाधन :-

- 110 कमरें (अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त)
- लाइब्रेरी (अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त)
- खेल मैदान
- मीटिंग हॉल
- कैमरा और सौर ऊर्जा से संचालित छात्रावास
- कोचिंग हॉल
- भोजन शाला
- चारदीवारी

5- विद्यार्थी विवरण:- इस छात्रावास में स्कूली एवं कॉलेज शिक्षा में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है।

A)140 छात्र वर्तमान में

6- छात्रावास प्रवेश प्रक्रिया:-

कुल सीट:- 140

हर वर्ष मेरिट के आधार पर एडमिशन होता है। (अनिवार्य 70% प्रत्येक कक्षा के लिए)

हर वर्ष 11th, 12th और ग्रेजुएशन में एडमिशन के लिए संभावित मेरिट सामान्यतः निम्नलिखित रहती हैं।

11th और 12th - 80%

B.Sc.1st /B.Com.1st/B.A.1st – 80-85%

B.sc. /B.Com./B.A.(2nd और Final year) -70%

- छात्रावास आवेदन संबंधी महत्वपूर्ण दिनांक:-

छात्रावास में आवेदन फॉर्म प्रक्रिया सामान्य मई माह से शुरू होकर जून माह तक जारी रहती है तथा जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में प्राप्त आवेदनों के आधार पर छात्रावास एडमिशन कमेटी द्वारा निर्धारित दिनांक को सभी छात्रों के समक्ष काउंसलिंग प्रक्रिया कर छात्रावास एडमिशन प्रक्रिया संपन्न की जाती है।

वर्तमान छात्रावास आवेदन कमेटी – टिकमा राम जी गोदारा(अध्यक्ष), रतनलाल जी डोगियाल(सचिव),
मदन जी नायल, हीरालाल जी, K.R जी नायल, S.S. जी बेनीवाल

- a. छात्रावास नियमावली :-
- b. प्रातः जल्दी उठना और दैनिक क्रियाओं से जल्द निवर्त होकर अध्ययन करना।
- c. रात्रि 9 बजे के बाद हॉस्टल से बाहर रहना पूर्णतः पाबंदी।
- d. घर जाने या स्व कार्य के लिए जाने हेतु प्रार्थना पत्र द्वारा अनुमति।
- e. रात्रिकालीन उपस्थिति दर्ज करना।
- f. अनुशासन और शिष्टाचार बनाए रखना।
- g. बड़ों का आदर सम्मान करना।
- h. छात्रावास कार्यक्रमों में भाग लेना।
- i. अपने कमरे की सफ़ाई रखना।
- j. अनावश्यक घूमने पर प्रतिबंध।
- k. छात्रावास भौतिक संसाधनों को नुकसान नहीं पहुंचाना।

7- शैक्षिक एवम् सहशैक्षिक गतिविधियां:-

- 1)साप्ताहिक मीटिंग :- प्रत्येक छात्र को मंच प्रदान भी किया जाता है

2)खेल (वॉलीबॉल,कबड्डी, बैडमिंटन etc.):- रोजाना सांय 5.00-6.30बजे

3)टेस्ट:- प्रत्येक सप्ताह "RNCH का अनोखा परख"

4)कोचिंग व्यवस्था

5)प्रत्येक पंखवाड़ा मार्गदर्शन सेमिनार (उच्चपद प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा)

6)विशेष समारोह:- तेजा दशमी, 26जनवरी,15अगस्त, एलुमिनी कार्यक्रम, राजस्थान दिवस,खेल दिवस जाट समाज के महापुरुषों की जयन्ती समारोह प्रतिवर्ष मनाए जाते है। जैसे –

7) जयंती/पुण्यतिथि :- स्व श्री रामनारायण चौधरी, स्व श्री चौधरी चरणसिंह जयंती, स्व बलदेव राम मिर्धा जयन्ती समारोह पूर्वक मनाई जाती है।

8) मनोरंजन साधन :-

दूरदर्शन (T.V.) (प्रत्येक शनिवार शाम), विशेष समारोह पर खेल प्रतियोगिताएं

8- भोजन :- #हर रोज अलग-अलग सब्जी (एक सप्ताह के बाद आवर्ती)

+ दाल + रोटी

स्पेशल भोजन(प्रत्येक महीने में 2बार)